



Incredible India



INSTITUTE OF HOTEL MANAGEMENT, KOLKATA

# Newsletter

## घर स्वच्छ तर देश स्वच्छ

साफ सफाई और स्वच्छता हाथ में हाथ डाल चलते हैं। हमें स्वयं को स्वस्थ और रोग से मुक्त रखने के लिए स्वच्छता के प्रति अधिक जागरूक होने की जरूरत है। जब बात स्वच्छता की होती है, हमें सबसे पहले हमारे आसपास के साफ-सफाई की झलक दिखाई देती है, परंतु स्वच्छता की असल शुरुआत व्यक्तिगत स्वच्छता से होती है।

भारत सरकार द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान के तहत हम अपने देश को स्वच्छ बनाने की राह में काफी आगे निकल पड़े हैं। भारत, हमारी मातृभूमि को स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है, और इस पहल की राह हम सबके घरों से निकलती है। वो कहते हैं ना कि “बूंद-बूंद सागर भरत”, वस वैसे ही अगर हमें देश को स्वच्छ रखना है तो हमें पहले अपने शहर को स्वच्छ बनाना होगा; उससे पहले हमारे घरों को। इस अभियान की शुरुआत होती है

कूड़े को साफ कर उसे अलग कर गीला और सूखा कचरों की श्रेणी में रखना। वैसे पदार्थों का उपयोग कम करना जो कि पर्यावरण को हानि पहुंचाए; जैसे प्लास्टिक का उपयोग, खाद्य पदार्थ के पैकेट्स, गीले और सूखे कचरे को एक साथ इकट्ठा कर फेंकना, आदि इन सब चीजों का उपयोग कर हम अपने पर्यावरण को क्षति पहुंचा रहे हैं।

जब से स्वच्छता अभियान की शुरुआत हुई है, भारत ने इस मिशन में कई उपलब्धियां हासिल की है; जैसे 76 लाख से ज्यादा टॉयलेट का निर्माण किया गया, आज भारत की कई शहरें प्लास्टिक मुक्त शहरों की श्रेणी में आ गए हैं। इस अभियान में 26500 से ज्यादा कैंपेन सफलतापूर्वक पूरे किए गए हैं, जिसमें 6000 से ज्यादा स्वच्छता पखवाड़े भी चलाया गए हैं। अब तक एक लाख से ज्यादा लोग इस महान कार्य का हिस्सा बन चुके हैं तो आप और हम क्यों नहीं?

तो आइए आज हम मिलकर यह प्रण लेते हैं कि हम स्वयं को, अपने घर को, मोहल्ले को और देश को स्वच्छ बनाएं। हम अभी से कचरा इधर-उधर ना फैलाएं ना दूसरों को फैलाने देंगे। हम ऐसी वस्तुओं का बहिष्कार करेंगे, जो हमारे पर्यावरण को कष्ट दे। इस मिशन के तहत हम अपने “स्वच्छ भारत” के सपने को पूरा कर सकते हैं।

“स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत, सुंदर भारत!”

BY: Ankit Kumar

1st year, IHM KOLKATA